क्रम सं०

प्रवेश सं० २०१८०

विषय: वेद

ग्रन्थकार

नाम शतपथब्राह्मणम्

पत्र सं० १४ — १८ (

अक्षर सं० (पंक्तौ) ३४ पंक्ति सं० (पृष्ठे) ८

श्लोक सं०

आधार: कागद

लिपि: दे.ना.

आकार: ९.३ × ३.८

वि० विवरणम् त्रुसा केऽस्मिन् ऋग्वेदसंहितायाः पत्रद्वयम्स्यास्ति।

000952

न. ५७१७

पी० एस० यू० पी०--९८ एस० जी० ई०--१५४१--५०,०००

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

श्री

[illegible] हिरण्यकशिपिर्द्रापिं वमर्णं [illegible]
[illegible] तई शा [illegible] जातं [illegible] नये [illegible]
[illegible] त्वा [illegible] मित्रावरुणादी [illegible]
[illegible] [illegible] २
[illegible] मृतासा [illegible]
[illegible] हुवि [illegible] दाबाधिडायेती [illegible]
[illegible] प्रथमा [illegible] तो यद [illegible]
[illegible] तादस्र [illegible] नारा [illegible]
[illegible] नामा [illegible]

२

प्रमयम [illegible] तदस्ता [illegible] वरुणस्य [illegible] प्रथमा [illegible]
[illegible] दक्षिणया [illegible] उदीर्णं [illegible] धीरुद [illegible]
[illegible] तिः [illegible]
[illegible] नीसे [illegible] परिक्षिता [illegible] शास्त्रवता [illegible]
[illegible] दीर्घसद्मं तव रुणस्य धाम [illegible]
तिसद्यः [illegible] प्रथमस्य नाम [illegible]
[illegible] निष्कृतमावरंती [illegible] शारदानीं [illegible] दविरवमि [illegible]
[illegible] सा दाविर्वर्त्सांसि [illegible] ५ [illegible] संकाशमा [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

(2)

3 चेरुणुषहृशिकं । नद्यावसुषावितरं यन्तु ननतत्र सूत्याउपमोनशेना श्रावली [illegible]
वा राय तमानारश्मितिः सूर्यस्याप राव यं निवुन रावयं विनुशनामुपवद्मा नाद्रा [illegible]
श्मि मञ्जु पृष्ठमाना तद्वं तदृं कतुमस्मात्सुविद्विउषाणो नृपसुद्वा यू [illegible] रा [illegible]
२४ सुनमना [illegible] उक्तं तीमभिध्यान त्रयमा उद्दत [illegible] विया ऽपाति राष्ट्र [illegible] याला [illegible]
[illegible] सावीद्दि [illegible] वत्र पाशि [illegible] मिलतां [illegible] तानि प्रमिन तीम त्रुणा सुकार [illegible]
[illegible] पन्ना शाश्च तीना [illegible] तीनां प्रथमा [illegible] ॥ एकादि [illegible] ता प्र छन्द [illegible]
समला [illegible] न [illegible] मान्वति साधुर्वा नतीव नदिशामि नानि । उषा [illegible]
[illegible] विर [illegible] त्रियाणि [illegible] संत्रम साता [illegible] यं तीश [illegible] सुमागा [illegible]

[illegible] तथ [illegible] प [illegible] वली [illegible] २०१८०

[illegible] धीवाव सर्वे प्राणा [illegible] सर्वमात्मानं संस्कुरुते ॥२१॥ सैषा [illegible] वाग्ये [illegible]
[illegible] रातो [illegible] यादेवत [illegible] येते देय [illegible] त [illegible] सदग्निरेव [illegible]
[illegible] नासृरा छन्दो [illegible] कस्मान्न [illegible] स [illegible]
[illegible] नी वहन्ती वा एष संवितो [illegible] संपद्यते [illegible] वै यो [illegible] रेनः [illegible]
[illegible] यते तद्देवता मन्त्र वहन्ती करोति तस्मादेव संविता बहन्ती [illegible]
[illegible] ता [illegible] तद्वाहुः [illegible] लोके गार्हपत्यो [illegible] रितं [illegible] पाधौ राहवनीय [illegible]
[illegible] लोकत्र अस्माल्लोकादन्ने [illegible] ताथ कस्माद्गार्हपत्ये [illegible] वनीय [illegible]
[illegible] सतु [illegible] तो [illegible]
[illegible] भगवद् [illegible] तत्रा मतत पुरोत [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

[illegible] लोकावसृष्टे ताम यत्र तोत्पभि [illegible] न्निवपति कर्म्मणए एवानन्नग
[illegible] मन्त्रयोर्वा वसं स्त्रिय [illegible] यो मुख [illegible] सुस्कियं तो ॥२॥ [illegible]
[illegible] तौ नेऽनी ईद्रस्त्रो तद्वै देवा [illegible] पत्नविवास मा [illegible] न्नयं वै लो
[illegible] समेव तत्रोक ८ संस्कृतं समारोहं [illegible] तम एवानति [illegible]
[illegible] ते त्र वा नु पतज्जानीत य थे [illegible] मः पाप्मान मपहनाग [illegible]
[illegible] वि [illegible] मुति वितिमिच्छ तेति वात [illegible] वे [illegible] कृत यथे दंतम [illegible]
[illegible] हन्नाम [illegible] ति ॥२॥ ते वे त [illegible] ना ए ता [illegible] काश [illegible] नैन [illegible]
[illegible] देव तनानि [illegible] त्रमः पाप्मान [illegible] पा वेनि [illegible]

[illegible] शनो या थे पार मित्रे [illegible] ति रा पा मि ति [illegible] ति [illegible] ति [illegible] यस म [illegible]
[illegible] प्रसन्न तिन [illegible] बंधु [illegible] न [illegible] सहितेः [illegible] ति [illegible]
[illegible] काले नु [illegible] ॥२॥ ब्रा [illegible] (४) [illegible] पाठकः समाप्तौ [illegible]
[illegible] सं वमुपद्भाति ॥ एतद्वै देव [illegible] ब ध [illegible] पाद [illegible] तत्यै वै न य जमान [illegible]
[illegible] सं वमुपदधाति ॥ [illegible] एत [illegible] यतो [illegible] स्मा [illegible]
[illegible] तीय [illegible] हेता [illegible] वै [illegible] नस्समाना [illegible]
[illegible] जव [illegible] उदाय [illegible] स्मा [illegible] स्ता हैंताः [illegible]
[illegible] यदु [illegible] ते नौ [illegible] नैवैन [illegible] ति ॥२॥ सीता [illegible]

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

योवाविवै प्राणोऽम्पोन्नं धीयते मध्यतो मध्यतन्[illegible]
[illegible] मरः प्राणावै सीतास्तासाम पट सम योवाविवै प्राणो [illegible] सर्वै [illegible] अनिरुक्तः स सर्वे णोवास्मि [illegible]
[illegible] धाति रुवी मनिरुक्तं वैतद्यत्र [illegible] सर्वे [illegible] अनिरुक्तः सर्वे [illegible]
[illegible] जापतए षतघवी पते स एव सर्व स्मा अन्ना [illegible]
[illegible] न मत्नि जुहोति [illegible] सर्वे स्यरसेन [illegible]
[illegible] स्यरसो यदा [illegible] बधीनां च रसो सोवि नमेत सर्वे [illegible] पंचगृहीते न पंच विति [illegible]
सावानु वै [illegible] वानामाने नैवे नमेत सर्वे [illegible] मात्राता व तै वेनमेत [illegible]
[illegible] संव [illegible] स रोग्नि [illegible] एतद्धै यत्रैतं प्राणो [illegible] योये ग्निः सग [illegible]
[illegible] ति ॥ ६ ॥ यद्वे [illegible] मत्नि जुहोति [illegible] ज्ञागास्त घट नि जुहोति [illegible]
[illegible] पुरस्ता ज्ञाग मजुर्वतत स्मात्पुरस्ता [illegible]

[illegible] वीर्य वैवत्सो [illegible] रयं वीर्य [illegible] विदो [illegible] सपुरस्ता [illegible]
[illegible] यः पृथिव्या [illegible] प्रजापति [illegible] जनिता मा मा [illegible] प्रजापति [illegible]
[illegible] सत्यधर्मा [illegible] इति यो वाव [illegible] सत्यधर्मा सृजते [illegible]
[illegible] ने ति मनुष्या वाः आपश्चंद्रा यो मनुष्या [illegible] सोदेवाय [illegible]
[illegible] मेति [illegible] हविर्धाने [illegible] सो मा [illegible] तर [illegible] परि [illegible]
[illegible] यः प्रा [illegible] रिशिरसो [illegible] मस्मि [illegible] मेवास्मि [illegible]
[illegible] ति सयः प्रा [illegible] पृथिवि [illegible] न पयसा स हेति [illegible]
[illegible] रथिनो [illegible] आरोह इति [illegible] सास्पे [illegible] तामग्नि [illegible]
[illegible] रथिनोः आरोह [illegible]

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

णो नामाहस्योत्तरेण पक्षेणेमामनूपदधाति सयो दक्षिणायां दिशि रसो यद्वारं [illegible]
स यो दक्षिणमेवास्मिन्नेतद्दिशं दधाति ॥२१॥ अथ पश्चात् ॥ अग्नेय त्रै श्रुक्रेयपश्च [illegible]
यत्ति यमिति यं वा अग्निरस्येत राहत देवेभ्यो नराम सी लितट स्पैटे जं श्वकर्मणोऽ [illegible]
नन्नामाहस्योत्तरेण पुच्छ सं भिमामनूपदधाति सयः प्रतिमा दिशि रसो यद्वारत [illegible]
न्नेनद्धात्य थो प्रतीचीमेवास्मिन्नेतद्दिशं दधाति सन्त संप्रति पश्चादाहरे न्नेय स्तप
समाहराणीतीत द्दवा हरति ॥२२॥ अथो त्तरतः ॥ इष मूर्जं मह मित आदमितीष मूर्जं [illegible]
[illegible] आरद्दस्येतद्भूतस्य योनिमिति सः संवत्सरत सत्यस्य योनिमित्येतन्माहिषस्य [illegible]
[illegible] महिषः सही देजा यो महां सवं मे स्मादा मा गो षु विश वा तन्नाष्ट्रिया [illegible]

[illegible] नयद मारित्य [illegible] ॥ [illegible] वा [illegible] ह्यो दिवा गौ [illegible]
वगा न्यूवैर [illegible] पमी मी गारं करोति सर्वतः [illegible]
[illegible] वा [illegible] परिणापलिनिवत [illegible]
[illegible] धानं प्र सृजति स्पा लो बंधरस्य
[illegible] यति तस्यो [illegible] ॥ [illegible] च तौ यो [illegible] द्वितीय [illegible]
[illegible] ॥ कंडिका १०५ ॥ आ [illegible] नगिं [illegible] नेवैष्णना आत्मनो वा एत म [illegible]
[illegible] यन्ते तादे डेवन्न वतिसयदा न्मन्नग [illegible] ही वा ग्निं वि नु [illegible]
[illegible] मर्त्य मन मह तपाप्मनोन पहत पाप्मा [illegible] दा [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

[illegible] रेवाय्वग्निर्नयन्यमतादस्तमपहतपाप्मनोपहतः [illegible]
[illegible] का [illegible] अग्निमितिवदासन्लेवाग्नेग्निंगच्छौ। नेरायस्य [illegible]
यस्य [illegible] तितदुसर्वाआशिषआत्मन्गच्छौ नेमामुरेवनाःसशंतामि [illegible]
नासंन्गच्छौ [illegible] नोभिजनयिष्यन्त्रवतिसेनेर्वमात्मन्गच्छौनेसवै [illegible]
[illegible] विश्वपवेनोतिपच्छरेवपदाग्निसस्मात्पश्चसि [illegible] र्भ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] सामगायन्ति [illegible] वाङ्पक्रवंसन्यमस्य [illegible]
[illegible] सर्वं [illegible] सकामोभवि [illegible]
[illegible] सर्वमविद्यामः सस्य [illegible] रख्मा [illegible] नाविदस्यसर्वमुख्य [illegible]
[illegible] इति॥ ३ [illegible] सामपुरस्का [illegible]

[illegible] योनि [illegible] यत्ते [illegible] वैबाहवीर्यन्नरोति [illegible] पदस्मतिनानासादयाति [illegible]
[illegible] नानासह [illegible] मिनदनिनाना [illegible] ग [illegible] तदाक्रान्तेत [illegible] पुरस्त [illegible]
[illegible] तोवाय्वस्यवाहयु [illegible] नदातिरेवयानीतिसवैक्रुपादिवे [illegible]
[illegible] तोपदावयोयानेतास्मिन्लग्नैरूपांणकपमस्यके [illegible]
[illegible] नानिपृष्ठानियानिहृदा [illegible] नयोरेवसासंस्कृतिरेतयोर्वद्धि [illegible]
[illegible] पुरुषस्यवाहृ। ५। ब्राह्मण॥ १॥ स्वयमानत्तामुपदधाति॥ [illegible]
[illegible] तहुपदधातितामनंतर्हितांपुरुषादुपदधस्येन्तंवै [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

तो यमु वा अन्नमस्मात् हि सर्वमन्नं पवानेनेतर्हि तमेवास्मादेत...
र मेवास्मादेतदन्नं दधाति॥ यद्वेव स्वयमातृण्णामुपदधाति॥ प्राणो वै स्व...
ण्णा प्राणो ह्येवैतत्स्वयमातृणन् प्राणं ते प्राणमेवैतदुपदधाति॥ मन...
दुपदधाति प्राणो वै स्वयमातृण्णा यो वै स्वयमातृण्णा यमु वै प्राणो पद्धि...
णा एतत्सर्वं विमेतर्हि नेतर्हि नमेवास्मादेतत्प्राणं दधात्युत्तरामुत्तरमेवास्मा...
दधाति॥ २॥ यद्वेव स्वयमातृण्णामुपदधाति। प्रजापतिं विस्रस्तं देवता आदाय...
स्तासु व्युत्क्रान्तीषु जातिश्रामन्ति यधो पाविशत्॥ ३॥ स यः स प्रजापतिर्व्यस्र...

दधुस्तथैवास्मिन्नयमेतद्दधाति तामनेतर्हि॥ ५ स्वयमातृण्णायां उपदधा...
वै स्वयमातृण्णा नेतर्हिता स्तदस्या तुर्य भीरं धास्फुत्तरामुत्तरास्तदस्यात्तु पर्व...
ति सास्या स मना सा याः सन्ता पै यथा स्वयमातृण्णायामुपहिताम्र मिष्टा...
दनमुपदधादस्यादो वै ताजायं तद्दनमनु प्रयोहति॥ १३॥ काण्डात्काण्डात्प्र...
परुषः परुषस्परीति काण्डात्काण्डा ह्येषा पर्वणः पर्वणः प्ररोहत्येवानो दूर्वे प्र...
सहस्रेण शतेन चेति यथैव यजुस्तथा बन्धुः॥ १६॥ या शतेन प्रतनोषि सह...
विरोहसीति शतेन ह्येषा प्रतनोति सहस्रेण विरोहति तस्यास्ते देवीष्ट...

Indira Gandhi National
Centre for the Arts

[illegible] वेभाव यमितियथैव यजुस्त मावेधु द्वीत्यामुपदधातितस्या [illegible]
[illegible] दास्याषि वदंतितस्मो लोके युः ॥१५॥ ज्यथद्वि यजुषमुपदधाति इन्द्राग्नी
यवेनाः स्वर्गलोकमियावेतिताव [illegible] मिच्छकामपश्यतां द्वियजुषमिमा [illegible]
दधातां [illegible] आयास्ये प्रतिष्ठा ये स्वर्गलोकमैतानथैवैत यजमानो य [illegible]
मनुपदधाति येनरूपेणायत्कर्म्म कृत्वेंद्राग्नी स्वर्गलोकमैतां तेनरूपे [illegible]
स्वा स्वर्गलोकमयानीति मावाद्विय [illegible] र्तामिंद्र ये तां देवते अपश्यतांय [illegible]
जुषमुपदधाति यजमानो वै द्वियजुः [illegible] तदाऽऽहुः ॥ यदसावे [illegible]

[illegible] हिराम यः पुरुषो [illegible] रूपमिति दैवो वा अस्य स आत्मा मानुषो य [illegible]
ध स हिराम यो [illegible] स्यतद्रूपं देवरूपममतं हिरण्मयथ यद्धिप [illegible]
ता नवतिमानुषं [illegible] रूपं ॥१७॥ स यद्धस्मे वोपदधाति नेमामप [illegible]
त्रि [illegible] दास्मा लोका यजमानः प्रेयाद् यद्धिमामपश्यन्नचितयो हानेनास [illegible]
युरेति ॥१८॥ सयन्नानूपदधाति नैत्तं दैवमात्मानमनु प्रजानीयादथ [illegible]
पदधाति तथो हैतंदैवमात्मानमनुप्रजानातिताममनं नाहितां दूर्वे [illegible] काया उपदधा
[illegible] बो दूर्वेष्टका यजमानं तत्पशुभ्रुवति स्थापयति ॥१९॥ तदाऽऽहुः ॥ कथम [illegible]

प्राणेनसंततावव्यवछिन्नोभवत इति प्राणो वै स्वयमातृण्णा प्राणो दूर्वेष्टक
॰द्वियजुः स यदनंतर्हितां स्वयमातृण्णायै दूर्वेष्टकामुपदधाति प्राणेनैवतत्प्राणं
संतनोति संदधात्यथ यदनंतर्हितां दूर्वेष्टकायै द्वियजुषमुपदधाति प्राणो वै
र्वेष्टकायजमा॰ ॰नो द्वियजुरेवमु हास्यैता वास्मानो प्राणेन संततावव्यवछिन्नो भ
तः॥२०॥ यास्ते अग्ने सूर्ये रुचः आवो देवाः सूर्य एरु वदन्ति रुचं रुचमित्यमृता वै
गमृतं च मे नासिन्नेतद्दधाति द्वाभ्यामुपदधातीति स्पो को बंधुरसाइयं होवै
रुपमरुद्धापश्वसादयि वाप्लरदोहसाधिवदतीति स्पो को बंधुः॥२१॥ अथ रेतःसि
॰पदधाति॥ इमो वै लोको रेतःसिचौ विमोहि वल्लोकौ रेतःसिंवतस्तौ वा अप रस्ये

सामानं तत्करोति समानः ह्येतदन्नमेव सादयित्वा सूददोहसाधिवदतीति
अथो खामुपदधाति योनिर्वा उखा योनिमेवैतदुपदधाति तामुलूखल उ
तरि ऐं वा उलूखलं यद्धि किं चास्या ऊर्द्धुमं तरिक्षमेवतन्मध्यं वा अंतरिक्षं
योनिर्दधातीति तस्मात्सर्वेषां भूतानां मध्यतो योनिस्तीनि वनस्पतीनां॥२२॥
मुपदधाति॥ यो वै स प्रजापतिर्व्यस्रंसतैष सो खे मे वै लोका उखेमे लोका
॰सामुलूखल उपदधाति तदेनमेतस्मिंसर्वस्मिन्प्रतिष्ठापयति प्राणेन
॰रेतस्मादेनमेतत्सर्वस्माद् दनंतर्हितं दधाति॥२३॥ अथोपशयां पिष्ट्वा

Indira Gandhi National Centre for the Arts

[illegible] कः पुरस्ताद्दुरवापाउपानित्र पत्येष्वहेतस्मै लोकस्तथा तस्येवा[illegible]
[illegible]त दाक्ता कथमस्यैषापकाश्तोपहिताभवतीति यदेव यज्ञ [illegible]तानेनाथा
[illegible]न मग्निं वैश्वानरमुपनिगच्छतीति तत एव नत्यक[illegible]श्तमुपहितं भवति[illegible]
[illegible] तान सोक्को वै धुरितो जज्ञे प्रथम मेस्यो योनि भ्यो अधिजात वेदा[illegible]
[illegible] योनिभ्यः प्रथमं जातवेदा अजायत स गायत्र्या त्रिष्टु भानुष्टुभा[illegible]
[illegible] प्रजानन्नित्येतैर्वा एतं छन्दोभिर्देवेभ्यो हव्यं वहति प्रजानन् [illegible]
[illegible] सहसे यन्दं कृर्जे अपसा ये अतस्मै सर्वस्मैर मस्य तेन [illegible]

[illegible] पुरस्ताच्छतीयउपदधा[illegible] है यन्वैतान्[illegible] प्रजापतिः पशूनाल[illegible]
[illegible] कमिधं तान्प्राणो पुरुषमग[illegible] प्राणेषु [illegible] पुरस्तात्स्वती [illegible]
न द्वारतलिवितयेद्वा अज्ञवैलि[illegible] पशवो नोच्चि कामिधं तिय [illegible]
[illegible] यद्द वा अज्ञवैस्ताकस्वा[illegible] प्राणेष्वेवैनानेतत्संगृह्य पुरस्ता[illegible]
[illegible] पाय[illegible] पदधाति प्रजापतिर्वा इदमग्र[illegible]
[illegible] मयतान्ताः सृजेय प्रजायेयेति स प्राणेभ्य एवाधि पशून्नि[illegible]
[illegible] वक्षोप्य प्राणाः[illegible] श्रोत्राद विवाचोजं तदेनान्या[illegible] निर[illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

(७)

...प्राणः पशव इति मनो वै प्राणानां प्रथमं तद्यन्मनसः पुरुषं निरमिमीत
...पुरुषः प्रथमः पशूनां वीर्यवत्तम इति मनो वै सर्वे प्राणा मनसि हि सर्वे
प्राणाः प्रतिष्ठितास्तद्यन्मनसः पुरुषं निरमिमीत तस्मादाहुः पुरुषः ...
... पुरुषस्य ... [illegible] ... स्पृष्ट्वा पुरस्तात् ...
... [illegible] ... नात्यप्रत्युगात्मेन ... [illegible]
... [illegible] ... अथ ये ... [illegible] ...
... [illegible] ... प्रथ ... [illegible] ... प्राणा ... [illegible]

... [illegible] ... प्राणाने वैतत् ... [illegible] ... स स ... [illegible]
... [illegible] ... यदि ... [illegible] ... स स ... [illegible]
... [illegible] ... स ... एकैकस्मिन् ... प्राणा ... [illegible]
... [illegible] ... पशु ... [illegible] ... स स स ... [illegible]
... [illegible] ... एकैकस्मिन् ... प्राणा ... [illegible]
इति ... [illegible] ... सर्वे ... पशु ... रूपं तद्य ... [illegible]
... [illegible] ... ॥१०॥ ... [illegible] ...
... [illegible] ... मनि ... [illegible] ...

Indira Gandhi National Centre for the Arts

नात्स्वंतत्वै हत्वेन मनसा सत्तानं प्रतं यत्नु तस्य वृत्तस्य धारा अनिवा
मीतियाएै तस्मिन्नग्नावाऊती हीप्यन्न वतिता एत दा हरिराणपो वेतन
च्चग्नेरीतिपवै परि[illegible]राणप्र पःपुरु षस्समत दा ह।।१२।। ब्रवेचेती ह आणावा
णेन हुवर्तिरुवे चेती हःआणा वेरुवआणेन हरिरो वतेथो आणाय
वतेमा सेवै ता हत्स्योति षवेती ह मा स्वती ही मेज्योति षती वदुपी
विश्वसानुवनस्य धाजिनमग्ने वैश्वानरस्य वेती हाग्निर्ज्योतिषाज्योति
च्चोवर्चस्वानिती हाग्निश्चवती मोविश्वपः हि[illegible]त्रं हुवैः१२।। अयपुरुषधी
[illegible]ाला।मह पस्येवेनदेत सहस्र दा अमिस हस्राय च्चे निसर्वं वैस

डूवितास्मैश्च।।१३।। अथा स्यहरंमं मा हिंसीरेकशफं पशुं [illegible]
एषपशुर्वद्धस्मा हिंसीरित्येत कनिकदेवाजिनं वा जिने [illegible]
कवोनाएष धज्यवाजिषु गोरमाराणमनुतेदिश्या मातिनदसो [illegible]
राणमनुदिशातितेन विद्वानस्य चोनिपीदति तन विद्वान आ[illegible]
संस्कुरुष्यचेत ज्ञोरं ते शुग्गच्छतु यंद्विष्मस्तंते शुग्गच्छति तिह
वशुर्वद्धमितिं पंवद्वेष्टैतस्मिं श्च।।१३।। अथगोः।। इमं मा हि
मारमुससमितिमारन्नो वाएष शत धारउत्सोपजीव्यमानः [illegible]

(११)

[illegible] परिरमुपत्नीमुमान मेषुलोकखेस्येत ह्रतं [illegible] नामादिति [illegible]

[illegible] मादितिर्जनायदु [illegible] नमाहि [illegible] सी: परमे [illegible] लितीमे [illegible]

[illegible] बोमेषु [illegible] नमादि [illegible] स्येत [illegible] बयमारा [illegible] मनु [illegible] मीति

[illegible] नयमारा [illegible] मनु [illegible] ति तेन विश्वा नस्त [illegible] दितितन [illegible]

१५ [illegible] नस्य [illegible] स्येत [illegible] वयं [illegible] यद्विष [illegible] तेअ [illegible]

[illegible] नेम [illegible] त [illegible] ॥ २४ ॥ अयावः [illegible] मूणी [illegible]

वला [illegible] सेतह [illegible] नाम [illegible] ति [illegible] स्वबंपश्च नो [illegible]

[illegible] मित्स [illegible] नवत्तु [illegible]

[illegible] अस्य यारतो [illegible] ति ॥ [illegible]

[illegible] पद [illegible] मतो [illegible] मा [illegible] पद [illegible] संतेषु [illegible]

[illegible] कर्त्तु [illegible] पंचपे [illegible] पद [illegible] ति [illegible]

१२ नोपदमति [illegible] डीमा [illegible] सादय [illegible]

[illegible] नसं [illegible] पद अति ॥ श्री [illegible]

क: समा [illegible] संवत [illegible] शाके १४९८ प्रवर्त्तमाने [illegible]

[illegible] काढूजी ॥ व्यास [illegible] पोथी [illegible]

Indira Gandhi National Centre for the Arts

दा॥ तथ्रुष्टल्पणो श्रुतेणसंहिते

॥तत्स्मीजू सणसंत्रुतें॥५॥ [illegible] तमलमडाजौ मत

सं क्षगोतमसोत्रुंल [illegible] तंइमाबेवत्रिंक्षामित्र डमदमी ऽ

मतव त्रु क्षामित्रा ऽंजमदामे ऽ मावेतवृसिहक ॥पों

मसमत वृ सिष्ठो मकं पौत्रगोबा विश्वागहनमयतेति

त्वासतंस्वदत्रितितिवधस्याज्ञा मवतिमद्व्यान्नी मुवति

यी ॥वेत्रु ॥ ॥ [illegible] ॥ हवावत्रस्मा [illegible]

म २

दैमर्दैस्वाहृतंचह्निंतंवयूलमूसतंलाायाहृदेतत्व
मातृदलमुलाम्रा श्राहृतिक्षाञ्जेतत्लम्यःमेत्रतिदे [illegible]
सहााया।ातस्मैतत्समृत्वेस्यातिस्यनम्येदं तमा [illegible]
तस्मैताम्यमतत्पचरसोयपंचतनतिस्वतोहो [illegible]
श्राहृह्रीवाङ्ग्रंत्रिलैवेतदहनमेतत्वृदेत [illegible]
मेतत्सामृतं [illegible] तस्मात्तस्यतलेव